DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-30 April

2025

CONTENT

S. No.	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	आईएफटीएम की शिक्षिका को मिला प्रज्ञा सम्मान		शाह टाइम ब्यूरो	6	02/04/2025
2.	आईएफटीएम की शिक्षिका को मिला प्रज्ञा सम्मान		हिंदुस्तान	7	02/04/2025
3.	आईएफटीएम की शिक्षिका को मिला प्रज्ञा सम्मान		विधान केसरी	8	02/04/2025
4.	आईएफटीएम में आयोजित हुआ टॉक शो		शाह टाइम ब्यूरो	9	02/04/2025
5.	आईएफटीएम में आयोजित हुआ टॉक शो		विधान केसरी	10	02/04/2025
6.	शिक्षणोतर कर्मिओ ने मैच जीता क्रिकेट मैच		हिंदुस्तान	11	03/04/2025
7.	शिक्षणोतर कर्मिओ ने मैच जीता क्रिकेट मैच कर्मचारी गण टीम की हुई ७० रन से रोमांचकारी जीत		विधान केसरी	12	03/04/2025
8.	आईएफटीएम के स्थापना दिवश पर धूम धाम से मान्य गया सांस्कर्तिक समरोह समवेश २०२५		विधान केसरी	13	05/04/2025
9.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय ने वौद्धिक सम्पदा आदिकारो पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		विधान केसरी	14	05/04/2025
10.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्य में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	15	05/04/2025
11.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. आरती गर्ग और डॉ.मेघा भाटिया द्वारा लिखित		विधान केसरी	16	05/04/2025
12.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय के डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा उत्कृस्ट शोध के लिए एक्स लेंस इन रिशर्च अबॉर्ड से किया सम्मानित		विधान केसरी	17	05/04/2025

13.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्प्रदा अदिकार केसम्मान के सम्बन्ध में हुआ संघोष्ठी का आयोजन		विधान केसरी	18	06/04/2025
14.	आईएफटीएम के स्कूल आफ लॉ की और से हुआ निशुल्क विधिक सहायता शिविर का आयोजन		विधान केसरी	19	06/04/2025
15.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में लगाया गया रक्दान शिविर		विधान केसरी	20	06/04/2025
16.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अबसेर पर हुआ प्रस्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	21	06/04/2025
17.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में मनाई डॉ. अंबेडकर की जयंती		हिंदुस्तान	22	15/04/2025
18.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में मनाई डॉ. अंबेडकर की जयंती		शाह टाइम ब्यूरो	23	15/04/2025
19.	आईएफटीएम विश्व विश्वविद्यालय में मनाई डॉ. अंबेडकर की जयंती		विधान केसरी	24	15/04/2025
20.	आईएफटीएम में फार्मेसी संकाय के विधार्थी को प्रोधोगिकी हस्तारंतरण के बारे किया गया औधोगिक भम्रण का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	25	16/04/2025
21.	आईएफटीएम में फार्मेसी संकाय के विधार्थी को प्रोधोगिकी हस्तारंतरण के बारे किया गया औधोगिक भम्रण का आयोजन		आज समाचार सेवा	26	16/04/2025
22.	आईएफटीएम में फार्मेसी संकाय के विधार्थी को प्रोधोगिकी हस्तारंतरण के बारे किया गया औधोगिक भम्रण का आयोजन		विधान केसरी	27	16/04/2025
23.	अंत्याक्षरी में बीबीए एलएलबी की टीम रही अब्बल		हिंदुस्तान	28	17/04/2025
24.	आईएफटीएम में स्कूल आफ लॉ के स्टूडेंट डेवलवमेंट सेल की और से किया विधिक 32अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का		शाह टाइम ब्यूरो	29	17/04/2025

	आयोजन				
25.	आईएफटीएम में स्कूल आफ लॉ के स्टूडेंट डेवलवमेंट सेल की और से किया विधिक अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	30	17/04/2025
26.	आईएफटीएम में स्कूल आफ लॉ के स्टूडेंट डेवलवमेंट सेल की और से किया विधिक अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन		आज समाचार सेवा	31	17/04/2025
27.	आईएफटीएम में संविधान का डिजिटल संग्रह विषय पर हुआ सत्त का आयोजन		विधान केसरी	32	18/04/2025
28.	संविधान के ७५ वर्ष पुरे होने पर एक्सटेंपोर भाषण प्रतियोगिता हुई आयोजित		शाह टाइम ब्यूरो	33	18/04/2025
29.	आईएफटीएम में संविधान के ७५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में हुआ रगोली प्रत्योगिता का आयोजन		विधान केसरी	34	18/04/2025
30.	आईएफटीएम के विधार्थियो ने क्या राष्ट्रीय प्राणी उधान नई दिल्ली का शैक्षिक भम्रण		विधान केसरी	35	18/04/2025
31.	बाद विबाद प्रतियोगिता ने वैभवी दुवे रही प्रथम		हिंदुस्तान	36	20/04/2025
32.	आईएफटीएम में हुआ बाद विबाद प्रतियोगिताका आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	37	20/04/2025
33.	आईएफटीएम में तीन दिवसीय प्रेरणादायक बिजनेस प्लान एक्टिविटी का हुआ आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	38	20/04/2025
34.	आईएफटीएम में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान थीम के तहत आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता		विधान केसरी	39	20/04/2025
35.	आईएफटीएम में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान थीम के तहत आयोजित हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता		विधान केसरी	40	20/04/2025

36.	आईएफटीएम मे 'विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस मानाने के तहत हुआ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	41	20/04/2025
37.	निबध लेखन में वैशाली ने मरी बजी		हिंदुस्तान	42	25/04/2025
38.	आईएफटीएम में वैज्ञानिक मेक्स प्लॉक के जांदिवस के अवसर पर हुआ प्रस्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु	43	25/04/2025
39.	आईएफटीएम में महँ वैज्ञानिक मेक्स प्लॉक के जांदिवस के अवसर पर हुआ प्रस्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	44	25/04/2025
40.	आईएफटीएम में और कैद सेंटर ट्रेनिंग सर्विस प्रीइवेट लिमिटेड चेन्नई के मध्य के एम .ओ यू का हुआ हस्ताक्षर		विधान केसरी	45	25/04/2025
41.	आईएफटीएम में विश्व पृथ्वी दिवस २०२५ के अवसर पर हुआ किवज प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	46	25/04/2025
42.	आईएफटीएम में विश्व पृथ्वी दिवस २०२५ के अवसर पर हुआ किवज प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु	47	25/04/2025
43.	आईएफटीएम में बच्चों ने दिखा या नवचार		हिंदुस्तान	48	30/04/2025
44.	पल्लबी के जॉब पोर्टल डेमो को मिला पहला स्थान		अमर उजाला	49	30/04/2025

आईएफटीएम की शिक्षिका को मिला 'प्रज्ञा सम्मान'

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका डॉ. सारिका दुबे को 'प्रज्ञा साहित्यिक मंच, रोहतक, हरियाणा की ओर से ''प्रज्ञा सम्मान'' से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान डॉ. दुबे को उनके साहित्य सृजन, मातृभाषा संवर्धन तथा समाज सेवा के लिए श्रीमती इंद्रा स्वप्न स्मृति के पावन अवसर पर प्राप्त हुआ है। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ. दुबे के इस अनुकरणीय योगदान के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक समाज का निर्माता होता है तथा शिक्षक को विद्यार्थियों के लिए आदर्श स्थापित करना चाहिए, ताकि विद्यार्थी भी शिक्षक से प्रेरित होकर समाज के लिए श्रेष्ठ कार्य कर सकें। इस

अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. दुबे को सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गरिमा का विषय है।

उन्होंने कहा कि डॉ. दुबे की इस उपलब्धि से शिक्षक और विद्यार्थी दोनों प्रेरित होंगे। इस मौके पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा एवं स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल 'आर्य' ने डॉ. दुबे की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक का सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी डॉ. दुबे को सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, बुधवार, 2 अप्रैल 2025 06

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका को मिला प्रज्ञा सम्मान। ● हिन्दुस्तान

आईएफटीएम की शिक्षिका को मिला प्रज्ञा सम्मान

मुरादाबाद। आईएफटीएम में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका डॉ. सारिका दुबे को प्रज्ञान सम्मान दिया गया। प्रज्ञा साहित्यिक मंच, रोहतक, हरियाणा की ओर से सारिका को सम्मानित किया गया। यह सम्मान डॉ. दुबे को उनके साहित्य सृजन, मातृभाषा संवर्धन तथा समाज सेवा के लिए दिया गया। विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने डॉ. दुबे के इस योगदान के लिए बधाई दी।

आईएफटीईएम की शिक्षिका को मिला प्रज्ञा सम्मान

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका डॉ. सारिका दुबे को प्रज्ञा साहित्यिक मंच, रोहतक, हरियाणा की ओर से प्रज्ञा सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान डॉ. दुबे को उनके साहित्य सृजन, मातृभाषा संवर्धन तथा समाज सेवा के लिए श्रीमती इंद्रा स्वप्न स्मृति के पावन अवसर पर प्राप्त हुआ है। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ. दुबे के इस अनुकरणीय योगदान के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक समाज का निमार्ता होता है तथा शिक्षक को विद्यार्थियों के लिए आदर्श स्थापित करना चाहिए, ताकि विद्यार्थी भी शिक्षक से प्रेरित होकर समाज के लिए श्रेष्ठ कार्य कर सकें। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. दुबे को सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गरिमा का विषय है। उन्होंने कहा कि डॉ. दुबे की इस उपलब्धि से शिक्षक और विद्यार्थी दोनों प्रेरित होंगे। इस मौके पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा एवं स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने डॉ. दुबे की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक का सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी डॉ. दुबे को सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है।

आईएफटीएम में आयोजित हुआ 'टॉक शो'

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई के जन्म शताब्दी वर्ष मनाए जाने के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इंडियन लैंग्वेज, आर्ट एंड कल्चर सेल की ओर से प्रतिष्ठित हिन्दी कवि, पत्रकार, साहित्यकार, प्रखर वक्ता, कुशल राजनेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री ''भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई जी'' के 'यूनाइटेड नेशन्स जनरल असेंबली' में दिए व्याख्यान विषय पर एक टॉक शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई जी हम सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। उनकी प्रतिभा, सहृदयता, दूरदर्शिता, संवे. दनशीलता और सूझबूझ विश्व में विख्यात है, स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल 'आर्य' ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है कि अटल बिहारी बाजपेई जैसे महान नेता को भारत के नेतृत्व का मौका मिला। कार्यकम के सफल आयोजन में कार्यकम की संयोजिका व इंडियन लैंग्वेज, कल्चर एंड आर्ट सेल की समन्वयिका डॉ. सारिका दुबे एवं सदस्य श्री भावेश की विशेष भूमिका रही। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 60 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

ट्रैक्टर से टकराकर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

कांठ (शाह टाइम्स) ट्रैक्टर व बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को मुरादाबाद उपचार हेतु भेज दिया गया

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ टॉक शो

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई के जन्म शताब्दी वर्ष मनाए जाने के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इंडियन लैंग्वेज, आर्ट एंड कल्चर सेल की ओर से प्रतिष्ठित हिन्दी कवि, पत्रकार, साहित्यकार, प्रखर वक्ता, कुशल राजनेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई जी के ह्ययूनाइटेड नेशन्स जनरल असेंबली में दिए व्याख्यान विषय पर एक टॉक शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई जी हम सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। उनकी प्रतिभा, सहृदयता, दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और सूझबूझ विश्व में विख्यात है, जो कि किसी से छिपी नहीं है। इस मौके पर कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन व दैनिक जागरण, मुरादाबाद के वरिष्ठ संवाददाता खुशवंत चैधरी ने बताया कि अटल बिहारी बाजपेई जी ने पत्रकार के रूप में भी जनसेवा की है। श्री चौधरी ने कहा कि बाजपेई जी समाज के सभी वर्गों के लोगों के प्रति संवेदनशील थे।

स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है कि अटल बिहारी बाजपेई जैसे महान नेता को भारत के नेतृत्व का मौका मिला।

कार्यकम के सफल आयोजन में कार्यकम की संयोजिका व इंडियन लैंग्वेज, कल्चर एंड आर्ट सेल की समन्वयिका डॉ. सारिका दुबे एवं सदस्य श्री भावेश मिश्रा की विशेष भूमिका रही। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 60 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 3 अप्रैल 2025 05

शहर में आज

- **उत्सव :** आईएफटीएम में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव समावेश 2025 विश्वविद्यालय परिसर में सुबह 11 बजे।
- **पुरस्कार :** संवेदना दी किड्स कॉटेज में पुरस्कार वितरण सुबह 11 बजे।
- **कीर्तन :** भक्ति परिवार महिला संकीर्तन मंडल का कीर्तन बी– 800 लाजपत नगर मे दोपहर 3 .30 बजे।

शिक्षणेत्तर कर्मियों ने मैच जीता

क्रिकेट मैच

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 के तहत बुधवार को शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की टीमों के बीच 20 ओवर के क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विवि के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने टॉस उछालकर मैच का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हार जीत किसी की भी हो, सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि खेल का नाम सुनते ही मन रोमांचित हो जाता है, साथ ही खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 248 रन बनाए, इसके जवाब में शिक्षक टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 178 रन पर ही सिमट गई। शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण टीम के जेपी सिंह ने सर्वाधिक 113 रन बनाए। उन्हें मैन ऑफ द मैच दिया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. राहुल मिश्रा, डीन प्रो. नवनीत रहे।

आईएफटीएम में आयोजित क्रिकेट मैच में शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण टीम की हुई 70 रन से रोमांचकारी जीत

हार जीत किसी की भी हो, सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें : राजीव कोठीवाल

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 के तहत बुधवार को शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण की टीमों के बीच 20 ओवर के क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने टॉस उछालकर मैच का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हार जीत किसी की भी हो, सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने यह भी कहा कि हारकर ही जीत का मार्ग प्रशस्त होता है। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि खेल का नाम सुनते ही मन रोमांचित हो जाता है, साथ ही खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर शानदार 248 रन बनाए। इसके जवाब में शिक्षक टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 178 रन पर ही सिमट गई। इस बेहद रोमांचकारी मैच में शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण टीम ने 70 रनों से जीत दर्ज की। शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण टीम के जे.पी. सिंह सर्वाधिक 113 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए खेल निदेशक व खेल संयोजक प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार हो रहा है तथा इसके प्रति दोनों टीमों के खिलाड़ियों में खासा उत्साह है। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मैच के दौरान परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह समेत विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम के स्थापना दिवस पर धूमधाम से मनाया गया वार्षिक सांस्कृतिक समारोह समावेश-2025

चांसलर राजीव कोठीवाल ने स्टाफ को दिया यूनिवर्सिटी की "उन्नति का श्रेय"

- बोले, जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी कीर्तिमान बनाएगा आईएफटीएम
- कार्यकारिणी सदस्या मंजू कोठीवाल ने भी बढ़ाया विद्यार्थियों और स्टाफ का हौंसला
- विद्यार्थी ही नए भारत का निमार्ता: एम. पी पांडेय

सनेश ठाकुर

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक सांस्कृतिक समारोह समावेश-2025 धूमधाम से मनाया गया। समारोह का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व. ओंकार सरन कोठीवाल के चित्र के समक्ष माल्यार्पण कर किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि आईएफटीएम संस्थान की स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी और इस संस्थान को वर्ष 2010 में विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ, तब से लेकर आज तक विश्वविद्यालय लगातार नई ऊंचाइयां स्पर्श कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता में वहां काम करने वाले कर्मचारियों की वजह से होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को नैक के ए ग्रेड सहित अनेक उपलब्धियों में समस्त कर्मचारियों के अथक मेहनत का परिणाम है। जिसके कारण हम निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह दिन दूर नहीं कि जब यह हमारा विश्वविद्यालय राष्ट्र ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक होगा। विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि विश्वविद्यालय में समस्त कर्मचारी मिलजुलकर प्रसन्नतापूर्वक काम करे। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी ही नए भारत का निमार्ता है। हम जैसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं उसी अनुरूप हमें विद्यार्थियों को तैयार करना होगा, जिसमें शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि विद्यार्थी और उनके अभिभावकों के सपनों को पूरा करने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की पहचान वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों से होती है। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम समावेश में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन एक अलग अंदाज में करते हैं, जो कि अत्यंत ही सराहनीय है। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन किया व सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। मंच का सफल संचालन छात्र रजत चौधरी, शिवम सैनी एवं छात्रा इशिका गुप्ता, आमना खान एवं वैष्णवी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव समेत सभी निदेशकों ने छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए गीत, नृत्य व अन्य कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों को खूब सराहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. स्वाति राय,डॉ. आरती गर्ग, डॉ. पूजा अग्रवाल, डॉ. रितिका सक्सेना, सुश्री अंजली त्रिपाठी एवं सुश्री छवि गुप्ता का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। उसके पश्चात प्रो. त्रिवेदी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकगण, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों समेत भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चांसलर श्री कोठीवाल ने कुछ ऐसे बढ़ाया अपने कर्मचारियों का हौंसला

समावेश 2025 के शुभावसर पर चांसलर श्री राजीव कोठीवाल अपने विश्वविद्यालय की सफलता का श्रेय अपने समस्त स्टाफ को देना नहीं भूले, उन्होंने खुले शब्दों में भरे मंच से कहा कि आईएफटीएम यूनिवर्सिटी की तरक्की के लिए यदि कोई जिम्मेदार है तो वो यहां के समस्त छोटे बड़े कर्मचारीगण है। उन्होंने कहा यूनिवर्सिटी की स्थापना से लेकर आज तक विश्वविद्यालय सफलता के नित नए आयाम स्थापित करते हुए लगातार नई ऊंचाइयो को छू रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता में वहां काम करने वाले कर्मचारियों की वजह से होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को नैक के ए ग्रेड सहित अनेक उपलब्धियों में समस्त कर्मचारियों के अथक मेहनत का परिणाम है।

जिसके कारण हम निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते जा रहे हैं। श्री कोठीवाल ने साफतौर पर कहा आज हमारा विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति बटौर रहा है और वो दिन दूर नहीं जब अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अग्रणी शिक्षण संस्थानों में आईएफटीएम का नाम होगा।

समावेश में विद्यार्थियों ने किया इन कार्यक्रमों का समावेश

समावेश-2025 का शुभारम्भ गणेश वंदना और कृष्ण लीला से हुई। इसके बाद पहाड़ी इकोस, आईएफटीएम द्वारा बैंड की प्रस्तुति मेलोडी मास्टर्स मूड्स, ट्विरल्स ऑफ राजस्थान, स्किट, भांगड़ा ब्लेज, नवरात्रि स्पेशल डांडिया धूम, हरयाणवी स्पार्क बीट, कांटी बैंड द्वारा म्यूजिकल फिएस्टा, इंडो वेस्ट पल्स, सागा ऑफ हारमोनियस थ्रेड्स की प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को रोमांचित कर दिया तथा पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समावेश-2025 कार्यक्रम की संयोजिका व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल एवं सह संयोजिका व अपर निदेशिका यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक प्रो. नीलू त्रिवेदी ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय ने बौद्धिक संपदा अधिकारो पर हुआ एक कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा इंस्टीट्यूशंस इनेवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से स्टार्टअप्स के लिए बौद्धिक अधिकारों और आईपी प्रबंधन की सुरक्षा विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों और इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा करना था। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि पंचकुला स्थित डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, हरियाणा राज्य की ओर से आए आईपीआर साइंटिस्ट डॉ. राहुल तनेजा ने अपने व्याख्यान में आईपीआर की आवश्यकता से लेकर पेटेंट आवेदन दाखिल करने के चरणों तक हर विवरण प्रकाश डाला। उन्होंने चल-अचल संपत्ति, स्वामित्व का महत्व, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट आदि पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सफल पेटेंट पंजीकरण के तरीकों और पेटेंट दाखिल करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित कानूनों और नियमों पर चर्चा की। डॉ. तनेजा ने बताया कि कुछ संस्थापक जो कुछ भी बना रहे हैं, उसके अमूर्त पहलुओं पर विचार नहीं करते हैं, जबकि यह सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आपका उत्पाद या सेवाएँ क्या करती हैं, यह कैसे काम करती हैं और इसे कैसे प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए कानूनों पर भी चर्चा करते हुए जानकारी दी कि जिस तेजी से इंटरनेट के माध्यम से सूचना का संचार किया जा सकता है, उससे बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में चुनौतियाँ बढ़ गई हैं। साथ ही उन्होंने ऑनलाइन पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

इस मौके पर आईपीआर प्रकोष्ठ के समन्वयक व प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा कि बौद्धिक संपदा दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते कानून के क्षेत्रों में से एक बन गई है, जिससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार आईपीआर से निपटने के लिए इस क्षेत्र में पारंगत आईपी पेशेवरों की मांग बढ़ गई है। वहीं आईआईसी के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने आईपीआर के महत्व और देश की छवि में इसके महत्व तथा देश के ज्ञान भंडार के निर्माण में इसकी प्रासंगिकता और इसके कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला। डीन स्टेडेंट वेलफेयर डॉ. अरूण कुमार मिश्रा ने सभी सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को इस कार्यशाला के दौरान उपलब्ध कराई गई अति महत्वपूर्ण जानकारियों को आत्मसात करने की सलाह दी। अंत में डीन - रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट डॉ. सुशील कुमार ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस सेमिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 130 से अधिक छात्र-छात्राओं समेत कई शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के जंतु विज्ञान विभाग की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ह्यस्वस्थ्य शुरूआत, आशापूर्ण भविष्यह्न की थीम पर आधारित एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह एवं केमिस्ट्री विभाग के वरिष्ठ प्रो. एस.डी. शर्मा ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विश्ृवविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आधुनिक परिवेश में फास्ट फूड का व्यापक उपयोग हो रहा है, जिसके फलस्वरूप युवाओं के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिसके प्रति जागरूक करने की दृष्टि से इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत सराहनीय है। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टर्स की प्रशंसा भी की। स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ह्यविश्व स्वास्थ्य दिवसह्न का उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों के बारे शिक्षित करना, स्वस्थ्य जीवन शैली को बढावा देने और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों को उजागर करना है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य, पोषक, बीमारी की रोकथाम या स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच के सम्बन्ध में केन्द्रित रहा। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव व जन्तु विज्ञान विभाग की डॉ. प्रशंसा बछवान ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अशोक कुमार, संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, डॉ. अतानुनाग, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव डॉ. सूर्या प्रकाश पांडेय, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. समीर चन्द्र, सह समन्वयिका मिस संध्या शर्मा एवं जयवीर सिंह सैनी आदि का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में 42 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें से बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा दानिया खान ने प्रथम, एम.एससी. वनस्पति विज्ञान, चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा वर्णिमा ने द्वितीयएवं बी.एससी. द्वितीय सेमिस्टर की छात्रा सामिया तारिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह द्वारा पुरुस्कृत किया गया। आयोजन के अंत में डॉ. प्रशंशा बछवान ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. आरती गर्ग और डॉ. मेघा भाटिया द्वारा लिखित

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षिका डॉ. आरती गर्ग और डॉ. मेघा भाटिया द्वारा लिखी गई पुस्तक स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट एंड बिजनेस पॉलिसी का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. गर्ग और डॉ. भाटिया की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. गर्ग और डॉ. भाटिया की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षण, प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने भी दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा लिखी गई यह पुस्तक पाठकों का मार्गदर्शन करने के साथ ही साथ नए शिक्षकों को भी अवश्य प्रेरित करेगी।

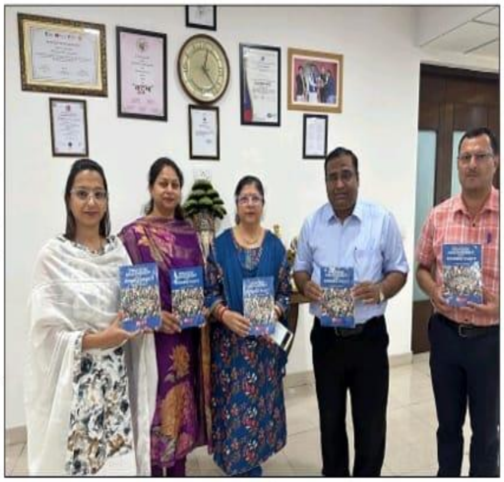

इस मौके पर उपस्थित विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह ने भी डॉ. गर्ग और डॉ. भाटिया को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। डॉ. गर्ग ने बताया कि 246 पेज की इस पुस्तक का प्रकाशन इंटेग्रिटी एजुकेशन, दिल्ली ने किया है। 395 रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में 16 अध्याय हैं, जिसमें शिक्षण, प्रशासन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का सारगर्भित तरीके से वर्णन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. गर्ग ने एमए, इकोनॉमिक्स में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है तथा अध्यापन के क्षेत्र में उनका 15 वर्ष का लंबा अनुभव है। डॉ. भाटिया ने एमबीए में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है, साथ ही साथ अध्यापन के क्षेत्र में भी उनका 18 वर्ष का लंबा अनुभव है। इसके साथ ही डॉ. गर्ग और डॉ. भाटिया के राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त दोनों शिक्षिकाएं कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. भाटिया के निर्देशन में आठ शोधार्थी तथा डॉ. गर्ग के निर्देशन में दो शोधार्थी शोध कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकों, विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी इस उपलब्धि के लिए डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग को बधाई दी है।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा उत्कृष्ट शोध के लिए "एक्सीलेंस इन रिसर्च अवॉर्ड" से किए गए सम्मानित

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के शिक्षक डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा को उत्कृष्ट शोध के लिए एक्सीलेंस इन रिसर्च अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। डॉ. मिश्रा को यह सम्मान चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन फ्रंटियर्स इन एडवांस एंड रिसर्च फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, एनवायर्नमेंटल एंड रिलेटेड साइंसेज के दौरान उत्कृष्ट शोध के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. मिश्रा की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ. मिश्रा को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों को सम्मान प्राप्त होना विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत ही गरिमा का विषय है तथा डॉ. मिश्रा को मिले इस सम्मान से विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक व विद्यार्थी भी उत्कृष्ट शोध के

प्रति प्रेरित होंगे। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. मिश्रा को सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अच्छे कार्य के परिणाम भी अच्छे ही आते हैं। उन्होंने कहा कि महान कार्य का सम्पादन व्यक्ति को महान बना देता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि वे एक्सीलेंस इन रिसर्च अवॉर्ड प्राप्ति से काफी उत्साहित हैं तथा अपने शोध कार्य को और नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। इस मौके पर स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक व प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. मिश्रा के द्वारा किये जा रहे शोध कार्य और इस उपलब्धि हेतु उनकी सराहना की व उन्हें उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुरस्कार डॉ. मिश्रा की कड़ी मेहनत और समर्पण की पहचान है। उनका शोध कार्य और नवाचार इस क्षेत्र को नई ऊँचाईयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अवॉर्ड न केवल उनके अकादमिक योगदान को सराहता है, बल्कि उनकी मेहनत और समाज के प्रति किए गए योगदान को भी मान्यता देता है। प्रो. वर्मा ने यह भी कहा कि डॉ. मिश्रा की यह उपलब्धि उनके ज्ञान के प्रति दृढसंकल्प और सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने की क्षमता को दर्शाती है। डॉ. मिश्रा की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में हुआ संगोष्ठी का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ एवं फामेर्सी संकाय के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकारों में हालिया रुझान पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस संगोष्ठी का उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों और इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा करना रहा। भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली के पेटेंट एवं डिजाइन परीक्षक श्री यासिर अब्बास जैदी बतौर मुख्य वक्ता अपने विचार व्यक्त करते हुए आईपीआर की आवश्यकता से लेकर पेटेंट आवेदन दाखिल करने के चरणों तक विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने चल-अचल संपत्ति, स्वामित्व का महत्व, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, डिजाइन आदि पर विस्तार से चर्चा की। कॉपीराइट शब्द की व्याख्या करते हुए उन्होंन बताया कि इसका उपयोग रचनाकारों को उनके साहित्यिक और कलात्मक कार्यों पर प्राप्त अधिकारों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। कॉपीराइट द्वारा कवर किए गए कार्यों में किताबें, संगीत, पेंटिंग, मूर्तिकला और फिल्में, कंप्यूटर प्रोग्राम, डेटाबेस, विज्ञापन, नक्शे और तकनीकी चित्र शामिल हैं। मुख्य वक्ता श्री जैदी ने बताया कि कुछ संस्थापक जो कुछ भी बना रहे हैं, उसके अमूर्त पहलुओं पर विचार नहीं करते हैं। उन्होंने आपका उत्पाद या सेवाएँ क्या करती हैं, यह कैसे काम करती हैं और इन्हे कैसे प्रस्तुत किया जाना चाहिए आदि को संस्थापक द्वारा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए कानूनों पर भी चर्चा करते हुए जानकारी दी कि इंटरनेट के माध्यम से सूचना के संचार की गति के फलस्वरूप बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में चुनौतियाँ भी बढ़ गई हैं। साथ ही उन्होंने ऑनलाइन पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों द्वारा जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस मौके पर आईपीआर प्रकोष्ठ के समन्वयक व प्रतिकुलपति- रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा कि बौद्धिक संपदा दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते कानून के क्षेत्रों में से एक बन गई है, जिससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार आईपीआर से निपटने के लिए इस क्षेत्र में पारंगत आईपी पेशेवरों की मांग बढ़ गई है। वहीं आईआईसी के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने आईपीआर के महत्व और देश की अच्छी छवि बनाने की दिशा में इसके महत्व तथा देश के ज्ञान भंडार के निर्माण में इसकी प्रासंगिकता और इसके कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरूण कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को इस कार्यशाला के दौरान उपलब्ध कराई गई अति महत्वपूर्ण जानकारियों को आत्मसात करने की सलाह दी। अंत में डीन- रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट डॉ. सुशील कुमार ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला में फामेर्सी संकाय के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. जी.इस्लाम, त्रिभुवन वशिष्ठ एवं डॉ. अलंकर श्रीवास्तव एवं विभिन्न स्कूलों के कई फैकल्टी मेंबर्स समेत 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीईएम के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से हुआ निःशुल्क विधिक सहायता शिविर का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ द्वारा विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए ग्राम इटायला माफी के पी.एम. श्री प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसाचिव प्रो संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी और कहा कि विधिक शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंदों को कानूनी सलाह प्रदान करने के साथ-साथ लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना हमारा मूलभूत दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि शिविर के माध्यम से विद्यार्थी समाज की सामाजिक एवं विधिक समस्याओं से सामाजिक धरातल पर रूबरू होते हैं और उनका समाधान करने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। वहीं कार्यक्रम के संयोजक व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने शिविर के प्रति विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज के उत्थान में विधि विद्यार्थी इस प्रकार के शिविरों के द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं,, जिससे ग्रामीणों का कानून एवं न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और भी मजबूत होगा। सह संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों के आयोजन से विद्यार्थियों को विधि के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया जाता है, ताकि भविष्य में वे समाज में न्याय व्यवस्था को लागू करने में अपनी भूमिका निभा सकें। शिविर के दौरान विधि विद्यार्थियों ने उक्त प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य की उपस्थिति में ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के प्रावधानों को विस्तार से समझाया। शिविर में नारी सशक्तिकरण से संबंधित विधिक जानकारी भी साझा करते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं तथा साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही विद्यार्थियों ने अन्य मुद्दों जैसे कि-दहेज हत्या, भ्रूण हत्या, साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, बैंक अकाउंट फ्रॉड जैसे आपराधिक मामलों एवं सामाजिक बुराइयों के प्रति सजग भी किया। शिविर का संचालन बीए-एल.एलबी की छात्रा बेनजीर शाकिर ने किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. उदय वीर सिंह ने शिविर में उपस्थित ग्राम प्रधान, ग्रामीणों एवं स्कूल के प्रधानाचार्य श्री कपिल कुमार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इस शिविर का उद्देश्य सभी ग्रामवासियों को विधिक जानकारी प्रदान करना एवं विधिक समस्याओं के समाधान के बारे में सलाह देना है, ताकि ग्रामवासी अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान करा सकें। प्राथमिक विद्यालय प्रधानाचार्य श्री कुमार ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणवासियों का अत्यंत रूचि के साथ स्वागत किया। स्कूल ऑफ लॉ की डॉ. मनीष मटोलिया ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में स्कूल ऑफ लॉ के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. सपना सक्सैना, श्री दिनेश सिंह सागर आदि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान स्कूल ऑफ लॉ के 40 विद्यार्थियों प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में लगाया गया रक्तदान शिविर

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मुरादाबाद की पंजीकृत समाज सेवी संस्था एकता सेवा समिति ट्रस्ट एवं फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महादान होता है तथा इस महादान से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने एकता सेवा समिति ट्रस्ट के सभी सदस्यों की सराहना भी की। प्रो. अग्रवाल ने रक्तदान कर चुके शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। फामेर्सी संकाय के डीन व प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा ने बताया कि रक्त को हम केमिकली नहीं बना सकते। इसके अलावा समाज के अस्वस्थ लोगों को स्वस्थ रखने के लिए रक्तदान की बहुत बड़ी भूमिका है, साथ ही उन्होंने रक्तदान के विषय में विद्यार्थियों का व्यवहारिक ज्ञान बढ़ाने की दृष्टि से विस्तार के साथ अपने विचार साझा करते हुए यह भी कहा कि किसी की जान बचाने के लिए लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम सभी को जन कल्याण हेतु अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान शिविर का आयोजन सामाजिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। प्रो. वर्मा ने बताया कि रक्तदान शिविर में लगभग 51 से अधिक शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। प्रो. वर्मा ने बताया कि 18 वर्ष के ऊपर के युवा रक्तदान कर सकते हैं। इससे स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। एकता सेवा समिति के संस्थापक श्री अंचित अग्रवाल और महासचिव श्री हर्षित गुप्ता ने विद्यार्थियों को रक्तदान के बारे में प्रेरित किया। शिविर के दौरान प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने शिविर में आए सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने भी रक्तदान शिविर के बारे में विद्यार्थियों को प्रेरणादायक जानकारी प्रदान की। शिविर के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल्स साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, रक्तदान शिविर के समन्वयक डॉ. दिवाकर शुक्ला के साथ श्री त्रिभुवन वशिष्ठ तथा डॉ. अलंकार श्रीवास्तव समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर प्राथमिक चिकित्सा और स्वास्थ्य विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवाओं में प्राथमिक चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों में प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी कई लोगों की जान बचा सकती है। वहीं स्कूल के निदेशक डॉ. मोहन लाल ह्यआर्यह्न ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्राथमिक उपचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आकस्मिक दुर्घटना का शिकार होने के बाद पीड़ित की जान बचाने का बहुत ही कम समय होता है। पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने से पहले बहुत ही कम समय में दिया जाने वाला प्राथमिक उपचार पीड़ित की जान बचाने में बहुत ही कारगर साबित होता है। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के विभिन्न विभागों के 26 विद्यार्थियों ने अत्यंत रूचि के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एससी- बीएड, प्रथम वर्ष की छात्रा शिवांगी भटनागर प्रथम, एमएड, प्रथम वर्ष की छात्रा नैंसी द्वितीय, बीएससी-बीएड, प्रथम वर्ष की छात्रा कोमल कुमारी सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला, शिक्षा विभाग की डॉ. नेहा शर्मा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पुलकित शर्मा निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. आर्य ने विजेता प्रतिभागियों के साथ ही अन्य सभी प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजन सचिव जसवंत सिंह, सह संयोजिका डॉ. सरिता, संयोजक सचिन कुमार की विशेष भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान स्कूल के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों समेत कई शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 05

आईएफटीएम में सोमवार को डॉ. आंबेडकर की जयंती मनाते हुए। • हिन्दुस्तान

आईएफटीएम में मनाई डॉ. आंबेडकर की जयंती

मुरादाबाद । आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल एवं प्रतिकुलपति एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र के समक्ष पुष्पार्पण व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक थे।

आईएफटीएम में मनाई गई 'भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर' की जयंती

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को "भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर" की जयंती मनाई गई, जिसके अंतर्गत एक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल एवं प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र के समक्ष पुष्पार्पण व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक थे। आज का दिन भारतीय समाज में समानता, न्याय और शिक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी डॉ. आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और योगदान के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि आज का दिन हमें बेहतर भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करता है। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर सिर्फ संविधान निर्माता नहीं थे, उन्होंने हमें अधिकार दिए, सोचने की आजादी दी और समानता का रास्ता दिखाया तथा ऐसे महान व्यक्तित्व डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. आंबेडकर समाज में पिछड़े व असहाय लोगों के शुभचिंतक थे,

उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल 'आर्य', पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला, कैम्पस इंजीनियर श्री सी. एस. नागिला, एक्टिविटी क्लब की समन्वियिका डॉ. स्वाति राय, डॉ. आरती गर्ग, डॉ. अशोक कुमार समेत कई अन्य शिक्षक्रण, शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके चित्र के समक्ष पुष्पार्पण व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

आईएफटीएम में मनाई गई भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई, जिसके अंतर्गत एक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल एवं प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र के समक्ष पुष्पार्पण व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक थे। आज का दिन भारतीय समाज में समानता, न्याय और शिक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी डॉ. आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और योगदान के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि आज का दिन हमें बेहतर भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करता है। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर सिर्फ संविधान निमार्ता नहीं थे, उन्होंने हमें अधिकार दिए, सोचने की आजादी दी और समानता का रास्ता दिखाया तथा ऐसे महान व्यक्तित्व डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. आंबेडकर समाज में पिछड़े व असहाय लोगों के शुभचिंतक थे, उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक डॉ. मोहन लाल आर्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला, कैम्पस इंजीनियर सी.एस. नागिला, एक्टिविटी क्लब की समन्वियिका डॉ. स्वाति राय, डॉ. आरती गर्ग, डॉ. अशोक कुमार समेत कई अन्य शिक्षक्रण, शिक्षरणेत्तर कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके चित्र के समक्ष पुष्पार्पण व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

आईएफटीएम में फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बारे में किया गया औद्योगिक भ्रमण का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल) द्वारा इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों के लिए सिडकुल, पंतनगर, उत्तराखंड में स्थित 'ड्वार्फिश फार्मास्युटिकल्स' में एक औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। आधुनिक युग में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में औद्योगिक संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीक.ों, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा पैकेजिंग प्रणाली के बारे में विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना इस भ्रमण का उद्देश्य रहा। भ्रमण के दौरान ड्वार्फिश फार्मास्युटिकल्स के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को टैबलेट एवं लिक्विड डोजेज फॉर्म के निर्माण एवं पैकेजिंग की प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक अवलोकन एवं विवरण प्रदान किया गया।

भविष्य में उनके पेशेवर विकास की दिशा में सहायक सिद्ध होता है। इस मौके पर स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरूण कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु उनके साथ उपस्थित रहे फार्मेसी संकाय के शिक्षकगण डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. प्रवेश कुमार एवं डॉ. विजय शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस औद्योगिक भ्रमण में फार्मेसी संकाय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 197 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बारे में किया गया औद्योगिक भ्रमण का आयोजन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल) द्वारा इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों के लिए सिडकुल, पंतनगर, उत्तराखंड में स्थित 'ड्वार्फिश फार्मास्युटिकल्स' में एक औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। आधुनिक युग में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में औद्योगिक संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा पैकेजिंग प्रणाली के बारे में विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना इस भ्रमण का उद्देश्य रहा। भ्रमण के दौरान ड्वार्फिश फार्मास्युटिकल्स के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को टैबलेट एवं लिक्विड डोजेज फॉर्म के निर्माण एवं पैकेजिंग की प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक अवलोकन एवं विवरण प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने उत्पादन इकाइयों में प्रयुक्त मशीनों, गुणवत्ता नियंत्रण उपायों, स्वच्छता मानकों तथा अच्छी उत्पादन कार्यप्रणाली (जीएमपी) के अनुपालन की प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि इस प्रकार का औद्योगिक अनुभव विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करता है और भविष्य में उनके पेशेवर विकास की दिशा में सहायक सिद्ध होता है। इस मौके पर स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरूण कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु उनके साथ उपस्थित रहे फार्मेसी संकाय के शिक्षकगण डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. प्रवेश कुमार एवं डॉ. विजय शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस औद्योगिक भ्रमण में फार्मेसी संकाय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 197 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बारे में किया गया औद्योगिक भ्रमण का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल) द्वारा इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों के लिए सिडकुल, पंतनगर, उत्तराखंड में स्थित ड्वार्फिश फार्मास्युटिकल्स में एक औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। आधुनिक युग में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में औद्योगिक संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा पैकेजिंग प्रणाली के बारे में विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना इस भ्रमण का उद्देश्य रहा। भ्रमण के दौरान ड्वार्फिश फार्मास्युटिकल्स के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को टैबलेट एवं लिक्विड डोजेज फॉर्म के निर्माण एवं पैकेजिंग की प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक अवलोकन एवं विवरण प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने उत्पादन इकाइयों में प्रयुक्त मशीनों, गुणवत्ता नियंत्रण उपायों, स्वच्छता मानकों तथा अच्छी उत्पादन कार्यप्रणाली (जीएमपी) के अनुपालन की प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा। फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि इस प्रकार का औद्योगिक अनुभव विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करता है और भविष्य में उनके पेशेवर विकास की दिशा में सहायक सिद्ध होता है। इस मौके पर स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरूण कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु उनके साथ उपस्थित रहे फार्मेसी संकाय के शिक्षकगण डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. प्रवेश कुमार एवं डॉ. विजय शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस औद्योगिक भ्रमण में फार्मेसी संकाय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 197 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 17 अप्रैल 2025 05

अंत्याक्षरी में बीबीए-एलएलबी की टीम रही अव्वल

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से विधिक अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीबीए- एलएलबी, छठे सेमेस्टर की टीम शीर्ष स्थान पर रही। यहां विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा, विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. मनीषा मटोलिया रहे।

भाषण प्रतियोगिता में इशिका ने मारी बाजी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी की ओर से संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक एक्सटेंपोर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में इशिका गुप्ता प्रथम एवं इल्मा द्वितीय स्थान पर रहीं। यहां विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद, बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वप्न श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से किया 'विधिक अंताक्षरी' प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से विद्यार्थियों का विधिक ज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य से एक ''विधिक अंताक्षरी'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों के मान. सिक, तार्किक एवं बौद्धिक विकास में वृद्धि होती है। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ लॉ के निद. ेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने विद्यार्थियों को एक टीम के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को कानून से सम्बंधित जानकारियां अपनी फिंगरटिप्स पर याद रखने में अवश्य सहायता मिलेगी। है। कार्यक्रम के संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द सिंह ने बताया कि दो चरणों में सम्पादित हुई इस प्रतियोगिता में कुल 07 टीमों ने भाग लिया, जिनमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीबीए-

एलएलबी, छठे सेमेस्टर की टीम शीर्ष स्थान पर रही। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा ने विजेता टीम को प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा एवं डॉ. मनीषा मटोलिया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। प्रतियोगिता का संच. ालन आयोजन सचिव श्रीमती ऊर्जा अरीवान ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. चिघ्रा सिंह एवं विवेकानन्द की विशेष भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं समेत ३५ से अधिक प्रतिभागी विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

आईएफटीएम में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से किया गया विधिक अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से विद्यार्थियों का विधिक ज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य से एक विधिक अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों के मानसिक, तार्किक एवं बौद्धिक विकास में वृद्धि होती है। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने विद्यार्थियों को एक टीम के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को कानून से सम्बंधित जानकारियां अपनी फिंगरटिप्स पर याद रखने में अवश्य सहायता मिलेगी है। कार्यक्रम के संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द सिंह ने बताया कि दो चरणों में सम्पादित हुई इस प्रतियोगिता में कुल 07 टीमों ने भाग लिया, जिनमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीबीए-एलएलबी, छठे सेमेस्टर की टीम शीर्ष स्थान पर रही। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा ने विजेता टीम को प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा एवं डॉ. मनीषा मटोलिया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। प्रतियोगिता का संचालन आयोजन सचिव श्रीमती ऊर्जा अरीवान ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. चित्रा सिंह एवं विवेकानन्द की विशेष भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं समेत 35 से अधिक प्रतिभागी विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

आईएफटीएम में संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एक्सटेंपोर भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की ओर से संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संविधान के महत्व, उसकी विशेषताओं एवं नागरिकों की भूमिका पर युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान विषय के तहत महिला सशक्तिकरण से संबंधित चुनौतियाँ थीम पर एक एक्सटेंपोर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान सभी भारतीयों को एक माला में पिरोता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने संविधान से जुड़े विषयों पर बेहद प्रभावशाली तरीके से अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनमें उन्होंने मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक समरसता जैसे विषय शामिल रहे। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रो. अहमद ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश की आत्मा है, और इसके 75 गौरवशाली वर्षों का उत्सव मनाना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से युवाओं में भारतीय संविधान के प्रति रूचि बढ़ती है तथा उनमें देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एससी, बायोटेक्नोलॉजी, छठे सेमेस्टर की छात्राएं इशिका गुप्ता प्रथम एवं इल्मा द्वितीय स्थान पर रहीं, जिन्हें प्रो. अहमद ने प्रतियोगिता प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव व बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वप्न श्रीवास्तव ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और संवैधानिक चेतना को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से अत्यंत लाभदायी सिद्ध होगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक डॉ. उत्कर्ष त्यागी समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स की विशेष भूमिका रही। इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के विभिन्न विभागों के 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से किया गया ''विधिक अंताक्षरी'' प्रतियोगिता का आयोजन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से विद्यार्थियों का विधिक ज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य से एक ''विधिक अंताक्षरी'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों के मानसिक, तार्किक एवं बौद्धिक विकास में वृद्धि होती है। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने विद्यार्थियों को एक टीम के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को कानून से सम्बंधित जानकारियां अपनी फिंगरटिप्स पर याद रखने में अवश्य सहायता मिलेगी। है।

कार्यक्रम के संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द सिंह ने बताया कि दो चरणों में सम्पादित हुई इस प्रतियोगिता में कुल 07 टीमों ने भाग लिया, जिनमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीबीए- एलएलबी, छठे सेमेस्टर की टीम शीर्ष स्थान पर रही। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा ने विजेता टीम को प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के निदेशक प्रो. मिश्रा एवं डॉ. मनीषा मटोलिया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। प्रतियोगिता का संचालन आयोजन सचिव श्रीमती ऊर्जा अरीवान ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. चित्रा सिंह एवं श्री विवेकानन्द की विशेष भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं समेत 35 से अधिक प्रतिभागी विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

आईएफटीईएम में संविधान का डिजिटल संग्रह विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस तथा एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में संविधान का डिजिटल संग्रह विषय के अंतर्गत हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सत्र के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डिजिटलीकरण माध्यम से डाटा का उपयोग सुगमता से कर सकते हैं तथा इस सत्र के माध्यम से विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होंगे। संविधान के 75 वर्षों की स्मृति में आयोजित इस सत्र में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के प्रो. अभिषेक कुमार मिश्रा ने बतौर मुख्य वक्ता भारतीय संविधान के महत्व, उसकी संरचना और उसके डिजिटलीकरण की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने संविधान को सुगमता से पढ़ने और समझने में डिजिटल संग्रह के महत्व पर भी प्रकाश डाला। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने कहा कि आज के तकनीकी युग में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए संविधान को डिजिटल स्वरूप में जानना और समझना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. मिश्रा ने यह भी कहा कि छात्र-छात्राओं में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना को बढ़ाने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने संविधान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रश्न पूछे और डिजिटल माध्यम से संविधान तक पहुंच प्राप्त करने की विधियों को समझा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. ललित जौहरी ने विद्यार्थियों को वेबसाइट के माध्यम से संविधान का डिजिटल संग्रह तथा इसकी उपयोगिता पर चर्चा की। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक व कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह, कार्यक्रम समन्वयक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला, डॉ. मनीष रंजन पाण्डेय, डॉ. भारत भूषण अग्रवाल, श्री हरप्रीत चावला, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमित भटनागर, डॉ. शैली भारद्वाज, श्रीमती ऋतु नागिला आदि फैकल्टी मैम्बर्स समेत स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 102 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 'एक्सटेंपोर भाषण प्रतियोगिता' हुई आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की ओर से संविधान के ७५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संविधान के महत्व, उसकी विशेषताओं एवं नागरिकों की भूमिका पर युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से ''हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान'' विषय के तहत 'महिला सशक्तिकरण से संबंधित चुनौतियाँ' थीम पर एक ''एक्सटेंपोर भाषण प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान सभी भारतीयों को एक माला में पिरोता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने संविधान से जुड़े विषयों पर बेहद प्रभावशाली तरीके से अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनमें उन्होंने मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक समरसता जैसे विषय शामिल रहे। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रो. अहमद ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश की आत्मा है, और इसके 75 गौरवशाली वर्षों का उत्सव मनाना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से युवाओं में भारतीय संविधान के प्रति रूचि बढ़ती है तथा उनमें देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी. एससी, बायोटेक्नोलॉजी, छठे सेमेस्टर की छात्राएं इशिका गुप्ता प्रथम एवं इल्मा द्वितीय स्थान पर रहीं, जिन्हें प्रो. अहमद ने प्रति0 प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक डॉ. उत्कर्ष त्यागी समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स की विशेष भूमिका रही। इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के विभिन्न विभागों के 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुआ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक एवं एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में भरतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान न केवल भारत के लोकतंत्र का आधार है, बल्कि यह हमारे देश को एक महान राष्ट्र बनाने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों द्वारा संविधान के सम्बन्ध में सुसज्जित व रंग-बिरंगी रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए सभी का मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी.- बीएड के विद्यार्थियों राजकमल, विशाखा, प्रतिभा ने प्रथम, पॉलीटेक्निक के कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों संध्या, संजीव कुमार, विवेक कुमार, तृप्ति सिद्धू ने द्वितीय, पॉलीटेक्निक के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र शेखर कुमार ने तृतीय एवं पॉलीटेक्निक के कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों कमल कुमार, हर्षित शर्मा, अंशु, मुस्कान, शिवा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने विद्यार्थियों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ाने का काम करते हैं। वहीं प्रतियोगिता की सह संयोजिका प्रो. नीलू त्रिवेदी ने संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत लाभदायी सिद्ध होते हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम समन्वयक संजीव कुमार सिंह समेत फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. शिल्पी पाल, आशीष नगिला, डॉ. माधवी गुप्ता एवं सुश्री छवि गुप्ता का विशेष योगदान रहा। इस अवसर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के विभागध्यक्ष डॉ. पुनीत खन्ना, अंकुर जैन, मयंक भारद्वाज, महावीर सिंह रावत आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों एवं यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के 82 छात्र-छात्राओं ने अत्यंत रूचि के साथ प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम के विद्यार्थियों ने किया राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली का शैक्षिक भ्रमण

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के बी.एससी- जेडबीसी, षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु भारत के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली के एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि शैक्षिक भ्रमण का एक अलग महत्व है, इससे विद्यार्थी व्यावसायिक बारीकियों को करीब से देखता व समझता है। वहीं स्कूल के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण न केवल विषयगत ज्ञान को समृद्ध करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व और नैतिक मूल्यों के निर्माण में भी अत्यंत सहायक होते है। प्रो. सिंह ने बताया कि हरियाली से आच्छादित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्राणी उद्यान जो सैकड़ों प्रजातियों के जानवरों, पक्षियों और सरीसृपों का प्राकृतिक आवास है। यहां न केवल एक आकर्षक पर्यटन स्थल है, बल्कि यह प्रकृति प्रेमियों, शोधकताओं और विद्यार्थियों के लिए एक जीवंत शैक्षणिक केंद्र के रूप में कार्य करता है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उद्यान में संरक्षण के विविध प्रयासों जैसे लुप्तप्राय प्रजातियों का प्रजनन, पशु व्यवहार पर अनुसंधान तथा वैश्विक संस्थानों से सहयोग आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने स्तनपायी पिंजरों, सरीसृप गृह एवं पक्षीशाला जैसी आकर्षक संरचनाओं का अवलोकन भी किया। विदेशी और दुर्लभ जीवों को देखकर विद्यार्थी न केवल रोमांचित हुए, बल्कि उनके प्राकृतिक आवास, व्यवहार और संरक्षण की स्थिति को जानने में भी गहरी रुचि दिखाई। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि यह भ्रमण कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभप्रद रहा। कार्यक्रम का सफल संयोजन जंतु विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. स्मिता ज्योति एवं वनस्पति विज्ञान के डॉ. अशोक कुमार के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन को प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित बनाने में सह-आयोजिका डॉ. अंशुल श्रीवास्तव तथा मिस संध्या शर्मा ने विशेष भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त रसायन विज्ञान के डॉ. तरुण कांति सरकार, प्रयोगशाला सहायक जयवीर सिंह तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों जय प्रकाश एवं हरिओम शर्मा का सहयोग भी अत्यंत सराहनीय रहा। इस शैक्षणिक भ्रमण में 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, रविवार, 20 अप्रैल 2025 06

वाद विवाद प्रतियोगिता में वैभवी दुबे रहीं प्रथम

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एक्टिविटी क्लब एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वाधान में सामाजिक सशक्तिकरण से संबंधित चुनौतियां थीम पर वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हमारे देश की आधारशिला है। प्रदर्शन के आधार पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की बीबीए की छात्रा वैभवी दुबे ने प्रथम, स्कूल ऑफ लॉ के एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्र अखिलेश यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आईएफटीएम में हुआ वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एक्टिविटी क्लब एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वाधान में ''हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान'' विष्य के अंतर्गत ''सामाजिक सशक्तिकरण से संबंधित चुनौतियाँ'' थीम पर एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं व 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हमारे देश की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जो कि हमारे जीवन का आधार है तथा यह हमें हमारे कर्तव्य का भी बोध कराता है, ताकि हम एक जिम्मेदार नागरिक बनें। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनने व संविधान निहित मार्ग पर चलने को बढ़ावा देते हैं। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को अपने अधिकारों और कर्तव्य को समझने में मदद करते हैं। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर अपने कौशल को निखारने हेतु प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की बीबीए की छात्रा वैभवी दुबे ने प्रथम, स्कूल ऑफ लॉ के एल.एलबी तृतीय वर्ष के छात्र अखिलेश यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में डॉ. शैफाली अग्रवाल एवं डॉ. ऋिचा गुप्ता शामिल रहे। मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि संविधान हमें देश की रक्षा करने, चुनाव में वोट करने और कानून का पालन करने जैसे कर्तव्य भी याद दिलाता है। इस दौरान होटल मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ मेघा भाटिया, कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना, एक्टिविटी क्लब की समन्वयिका डॉ. स्वाति राय, सह संयोजिका डॉ. निधि चौधरी व स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल के सदस्य श्री अक्षय शर्मा, डॉ अर्चना कटारिया, श्रीमती मोनिका चौहान समेत अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस वाद विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 40 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में तीन दिवसीय प्रेरणादायक बिजनेस प्लान एक्टिविटी का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) के संयुक्त तत्वावधान में ''अंतर संस्थागत व्यापार योजना प्रतियोगिता'' विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में आकर्षक प्रस्तुतियाँ, व्यावहारिक संबोधन और उत्साही भागीदारी शामिल रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल के प्रेरणादायक संबोधन से हुई, जिन्होंने आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में अभिनव व्यावसायिक विचारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को पारंपरिक तरीकों से परे सोचने और उद्यमिता के लिए एक गतिशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं में नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और सफलता प्राप्त करने में संरचित व्यवसाय योजना और प्रभावी निष्पादन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान निर्णायक मंडल के सदरूस डॉ. हिमांशु गुप्ता एवं डॉ. मेघा भाटिया के ज्ञानवर्धक संबोधनों ने उद्योगों को नया आकार देने और स्टार्ट-अप को सशक्त बनाने में उभरती प्रौद्योगिकियों की परिवर्तन कारी क्षमता को रेखांकित किया। इस प्रतियोगिता में फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों ने प्रथम एवं द्वितीय तथा बिजनेस मैनेजमेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के तीसरे व अन्तिम दिन स्कूल की निदेशिका प्रो. अग्रवाल ने विजेता रहे विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय निश्चित ही युवा नव-प्रवर्तकों के लिए मार्ग प्रशस्त करके सीखने और विकास के लिए एक जीवंत माहौल को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरती गर्ग द्वारा सभी प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों और आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

आईएफटीएम में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान थीम के तहत आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज, एक्टिविटी क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान थीम के अंतर्गत भारत में महिला सशक्तिकरण: मुद्दे और चुनौतियाँ विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संवैधानिक जागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं अक्सर भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में गुमनाम नायक बनी रही। महिला सशक्तिकरण की राह में अभी भी कई मुद्दे और चुनौतियां हैं, जिन्हें हल करने के लिए सरकार एवं समाज की भागीदारी की अत्यंत आवश्यकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान को अपनाने एवं भारत के एक गणराज्य के रूप में स्थापित होने की 75वीं वर्षगांठ मनाने के उपलक्ष्य में चल रहे इस हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान, अभियान का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि समय के साथ भारतीय समाज ने महिलाओं को सशक्त बनाने में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इस दौरान प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने भाषण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की राह में आ रही चुनौतियों के बारे में अपने विचारों को सभी के समक्ष रखा। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर एम.एस.सी. केमिस्ट्री, द्वितीय वर्ष के छात्र अनुज कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र अनुज कुमार ने भारत में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पहले समाज में उनके अधिकारों और मूल्यों के प्रति संवेदनहीनता वाली सोच को समाप्त करने पर बल दिया। एम.एस.सी. केमिस्ट्री, प्रथम वर्ष की छात्रा गुंजन शर्मा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। छात्रा गुंजन शर्मा ने कहा कि आधुनिक युग में कई भारतीय महिलाएं महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ हैं, फिर भी समाज में पुरुष प्रधानता के वर्चस्व के कारण महिलाओं के लिए प्रायः समस्याएं उत्पन्न होती हैं। वहीं बी.एस.सी. होम साइंस की छात्रा ईशा चहल तृतीय स्थान पर रहीं। छात्रा ईशा ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में उच्च स्तर पर लैंगिक असमानता है व कई महिलाएं बाहरी समाज के साथ ही अपने परिवार के बुरे बर्ताव से पीड़ित हैं, इसी कारण नारी सशक्तिकरण की आज अत्यंत आवश्यकता है। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में गणित विभाग के डॉ. राजन सिंह व रसायन विभाग की श्रीमती शुभांगी अग्रवाल ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका डॉ. स्वाति एवं डॉ. सारिका अरोड़ा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 50 से भी अधिक प्रतिभागी छात्र-छात्राओं समेत स्कूल के शिक्षक उपस्थित रहे।

आईएफटीईएम में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' थीम पर आयोजित हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज एवं एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में "हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान" थीम पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं व 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हमारे देश की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जो कि हमारे जीवन का आधार हैं तथा यह हमें हमारे कर्तव्य का भी बोध कराता है, ताकि हम एक जिम्मेदार नागरिक बनें। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनने व संविधान द्वारा निहित मार्ग पर चलने को बढ़ावा देते हैं। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. मोहन लाल 'आर्य' ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारत का संविधान सभी भारतीयों को एक सूत्र में पिरोने का काम करता है। उन्होंने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान हमें सभी के साथ समान रूप से व्यवहार करने की सीख देता है, चाहे उनका धर्म, जाति या लिंग कुछ भी हो। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टर्स की सभी अतिथियों ने प्रशंसा की। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के ६० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीए, छठे सेमेस्टर के छात्र अमित प्रताप सिंह प्रथम, बीए, चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र अंकित सिंह द्वितीय एवं बीए- बीएड, चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र रजत चौधरी तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हें स्कूल के निदेशक

डॉ. 'आर्य' ने प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. परीना बंसल और अंग्रेजी विभाग की डॉ. मृदुल बंसल निर्णायक मंडल की सदस्या रहीं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सारिका दुबे, आयोजन सचिव श्री राहुल कुमार समेत अन्य कई शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम में 'विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस' मनाने के तहत हुआ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इना. `वेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से ''विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस'' मनाने के अंतर्गत ''स्टेप आउट एण्ड इनोवेट'' थीम पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए बताया कि एक इंजीनियर के लिए मानव विकास और वैश्विक समस्याओं को हल करने में रचनात्मकता और नवाचार की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के १०० से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए गए पोस्टर्स में से ''इलेक्ट्रिकल वाहन भविष्य की सवारी'', ''सिंगल एक्सिस सोलर ट्रैकर'' और ''ट्रांसमिशन लाइन दोषों के लिए यूपीएस आधारित सहायता प्रणाली'' के पोस्टर्स क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार एवं सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष श्री गौरव हवाडिया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने ''स्टेप आउट एण्ड इनोवेट'' थीम पर अपने विचार साझा करते हुए आधुनिक जीवन में पोस्टर्स के महत्व पर विस्तार के साथ प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि ''विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस'' मनाने का मुख्य

उद्देश्य समस्या-समाधान में रचनात्मकता और नवाचार के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और व्यक्तिगत और समूह स्तरों पर रचनात्मक बहु-विषयक सोच को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का संचालन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. विनीत सिंह ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईआईसी के संयोजक डॉ. अतनु नाग समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025 09

आईएफटीएम में निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र।

निबंध लेखन में वैशाली ने मारी बाजी

मुरादाबाद। आईएफटीएम में एक्टिविटी क्लब की ओर से 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। एमकॉम, प्रथम वर्ष की छात्रा वैशाली आर्य प्रथम रहीं।

आईएफटीएम में नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र।

नारा लेखन प्रतियोगिता में सलोनी ने मारी बाजी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर फैकल्टी ऑफ फार्मेसी तथा एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रा सलोनी प्रथम, राफिया द्वितीय व तुषार वार्ष्णेय तृतीय स्थान पर रहे। यहां विवि के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा आदि रहे।

प्रतियोगिता में अनस अली ने मारी बाजी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में स्कूल ऑफ साइंसेज के भौतिकी विभाग की ओर से नोबल पुरस्कार विजेता महान वैज्ञानिक मैक्स प्लांक के जन्मदिवस के अवसर पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अनस अली ने प्रथम, मेघा यादव ने द्वितीय व तृतीय धर्मेंद्र सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया।

आईएफटीएम में महान वैज्ञानिक मैक्स प्लांक के जन्मदिवस के अवसर पर हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के भौतिकी विभाग की ओर से नोबल पुरस्कार विजेता महान वैज्ञानिक मैक्स प्लांक के जन्मदिवस के अवसर पर ''मैक्स प्लांक: फाउंडर ऑफ क्वांटम थ्योरी इन फिजिक्स'' विषय पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं।

जिनमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी. (पी.सी.एम.) तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों अनस अली ने प्रथम, छात्रा मेघा यादव ने द्वितीय स्थान तथा छात्र धर्मेन्द्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक व भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अतनु नाग, समन्वयक श्रीमती विधि गोयल समेत भौतिकी विभाग के सभी शिक्षक तथा शिक्षिकाओं को सक्रिय रूप से योगदान रहा। इस अवसर पर स्कूल के कई शिक्षक उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में महान वैज्ञानिक मैक्स प्लांक के जन्मदिवस के अवसर पर हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के भौतिकी विभाग की ओर से नोबल पुरस्कार विजेता महान वैज्ञानिक मैक्स प्लांक के जन्मदिवस के अवसर पर मैक्स प्लांकः फाउंडर ऑफ क्वांटम थ्योरी इन फिजिक्स विषय पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। डॉ. अग्रवाल ने मैक्स प्लैंक को भौतिकी में उनके मौलिक योगदान, विशेष रूप से क्वांटम सिद्धांत के विकास के लिए सराहना करते हुए कहा कि मैक्स प्लैंक के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों को मैक्स प्लांक के द्वारा भौतिकी के क्षेत्र में क्वांटम भौतिकी पर किये गये अनुसंधान और उल्लेखनीय कार्य से अवगत कराने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि मैक्स प्लांक को क्वांटा की अवधारणा को पेश करने के लिए जाना जाता है, जो ऊर्जा के असतत पैकेट हैं, तथा ब्लैकबॉडी विकिरण सिद्धांत में पराबैंगनी तबाही की समस्या को हल करते हैं। इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ साइंसेज के 53 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी. (पी.सी.एम.) तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों अनस अली ने प्रथम, छात्रा मेघा यादव ने द्वितीय स्थान तथा छात्र धर्मेन्द्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक व भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अतनु नाग, समन्वयक श्रीमती विधि गोयल समेत भौतिकी विभाग के सभी शिक्षक तथा शिक्षिकाओं को सक्रिय रूप से योगदान रहा। इस अवसर पर स्कूल के कई शिक्षक उपस्थित रहे।

आईएफटीएम और कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के मध्य एम.ओ.यू. पर हुआ हस्ताक्षर

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय और कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मायलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु के मध्य समझौता हस्ताक्षर (एम.ओ.यू.) किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है। जब एकेडमिया और इंडस्ट्री मिलकर विद्यार्थियों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। डॉ. अग्रवाल ने कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज के अधिकारियों को उनके प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यदि किसी के प्रयास से एक विद्यार्थी भी अपने जीवन में सफल हो जाए तो ऐसे योगदान को हमेशा याद रखा जाता है। कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज की बिजनेस हेड- रेवेन्यू ग्रोथ सुश्री नम्रता घाग ने बताया कि विद्यार्थियों को इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार शुरू से ही तैयार करना होगा, तभी वे प्रतिस्पर्धा के इस दौर में आगे निकल पाएंगे। सुश्री घाग ने कहा कि यह समझौता दो प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोग की नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि इस एम.ओ.यू. के तहत कई बिंदुओं पाठ्यक्रम डिजाइन के बारे में कैड सेंटर द्वारा विश्वविद्यालय को उद्योग आधारित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण पद्धति हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करना, छात्र कौशल विकास कार्यक्रम, उभरती हुई तकनीकों पर सहमति बनी। साथ ही साथ दोनों संस्थाएं मिलकर कार्यशालाएं, अतिथि व्याख्यान और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग भी आयोजित करेंगी। इसके अलावा विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी, जिसमें उन्हें कोई भी जोखिमपूर्ण या रात्रिकालीन कार्य नहीं करना होगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे, जिससे उन्हें प्लेसमेंट और रोजगार प्राप्त करने मदद मिलेगी। दोनों संस्थाएं इस समझौते के माध्यम से भारत के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त और रोजगार योग्य बनाने की दिशा में कार्य करेंगी। यह सहयोग उच्च शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के निदेशक श्री के.के. बंसल ने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट करते हुए बताया कि विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है। कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज द्वारा किए गए इस समझौते से विद्यार्थियों को भविष्य में लाभ के अनेक अवसर मिलेंगे। वहीं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार, विश्वविद्यालय के सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर आशीष अग्रवाल समेत कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज के अधिकारियों की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. अग्रवाल और कैड सेंटर ट्रेनिंग सर्विसेज की बिजनेस हेड- रेवेन्यू ग्रोथ सुश्री घाग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

आईएफटीएम में विश्व पृथ्वी दिवस-2025 के अवसर पर हुआ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम पर एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह दिवस हमारी पृथ्वी को प्रदूषण और वनों की कटाई जैसी चीजों से बचाने के लिए लोगों को जागरूक करता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल आफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के सिंह ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है। इसकी स्थापना अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में एक पर्यावरण शिक्षा के रूप में की थी। वहीं कार्यक्रम संयोजक व वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देश दीपक ने बताया कि दुनिया भर में आज के दिन पृथ्वी व पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया जाता है। हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा की जरूरत अत्यधिक बढ़ गई है, जो कि मुख्य रूप से सौर, पवन, जलविद्युत, भूतापीय और ज्वार जैसे अक्षय स्रोतों से प्राप्त होती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जीवाश्म ईंधन के स्थान पर अक्षय ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग बढ़ाने का प्रयास करके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम किया जा सकता है, जिससे कि स्वच्छ सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा सके। इस मौके पर डॉ. अशोक कुमार ने विद्यार्थियों को समझाया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से आयोजित किया जाता है। प्रतियोगिता में लगभग 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें बी.एस.सी.- जेडबीसी के छात्र मोहम्मद रियाज प्रथम, रितिका द्वितीय, मोहम्मद दानिश तृतीय स्थान पर रहे। डॉ. अशोक कुमार एवं डॉ. समीर चन्द्रा निणायक मंडल के सदस्य रहे। आयोजन सचिव कु. मीनू ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. पूजा नारंग, डॉ. समीर चंद्रा, डॉ. वंदना आनंद, डॉ. उदित यादव एवं डॉ. शिव प्रताप सिंह का योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस-2025 के अवसर पर हुआ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम पर एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह दिवस हमारी पृथ्वी को प्रदूषण और वनों की कटाई जैसी चीजों से बचाने के लिए लोगों को जागरूक करता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल आफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के सिंह ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है। इसकी स्थापना अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में एक पर्यावरण शिक्षा के रूप में की थी। वहीं कार्यक्रम संयोजक व वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देश दीपक ने बताया कि दुनिया भर में आज के दिन पृथ्वी व पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया जाता है। हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा की जरूरत अत्यधिक बढ़ गई है, जो कि मुख्य रूप से सौर, पवन, जलविद्युत, भूतापीय और ज्वार जैसे अक्षय स्रोतों से प्राप्त होती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जीवाश्म ईंधन के स्थान पर अक्षय ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग बढ़ाने का प्रयास करके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम किया जा सकता है, जिससे कि स्वच्छ सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा सके।

इस मौके पर डॉ. अशोक कुमार ने विद्यार्थियों को समझाया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से आयोजित किया जाता है। प्रतियोगिता में लगभग 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें बी.एस.सी.-जेडबीसी के छात्र मोहम्मद रियाज प्रथम, रितिका द्वितीय, मोहम्मद दानिश तृतीय स्थान पर रहे। डॉ. अशोक कुमार एवं डॉ. समीर चन्द्रा निणायक मंडल के सदस्य रहे। आयोजन सचिव कु. मीनू ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. पूजा नारंग, डॉ. समीर चंद्रा, डॉ. वंदना आनंद, डॉ. उदित यादव एवं डॉ. शिव प्रताप सिंह का योगदान रहा। वि0

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, बुधवार, 30 अप्रैल 2025 04

आईएफटीईएम में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते बच्चे। • हिन्दुस्तान

आईएफटीएम में बच्चों ने दिखाया नवाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम में आईआईसी, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस और आईएफटीएम-बीआईएफ के तत्वावधान में कार्यक्रम हुए। डेमो डे, प्रदर्शनी, पोस्टर प्रजेंटेशन, बिजनेस प्लान एंड लिंकेज विद इनोवेशन एंबेसडरर्स, एक्सपर्ट्स फॉर मेंटरशिप सपोर्ट विषयों पर कार्यक्रम हुए। विद्यार्थियों ने नवीनतम तकनीकी विचारों का प्रदर्शन किया। यहां कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, निदेशक डॉ. राहुल कुमार मिश्रा आदि रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बुधवार, 30 अप्रैल 2025
7

पल्लवी के जॉब पोर्टल डेमो को मिला पहला स्थान

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मंगलवार को नवाचारों को लेकर चल रही तीन दिवसीय पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन का समापन हुआ। इसमें निर्णायक मंडल ने पल्लवी की ओर से तैयार किए गए जॉब पोर्टल डेमो को विजेता घोषित किया। इस पोर्टल में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के लिए सभी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने कहा, विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें विश्वभर में हो रहे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवाचारों से अवगत कराना अत्यंत आवश्यक है। ब्यूरो